Dr. Madan Paswan, History.
Class: B.A. Part-III (Hons.).
Paper- VI: Black Hole.

September 2020.
Lecture No. 09.
Date: 08.09.2020.

ब्लैक होल:

जे० जेड हालवेल ने ब्लैक होल त्रासदी का वर्णन किया है, जो 146 अंग्रेजों जिनमें स्त्रियाँ एवं बच्चे भी थे, उन्हें एक 18 फुट लम्बे तथा 14 फुट 10 इंच चौड़े कक्ष में 20 जून की रात को बन्द कर दिया गया, अगली सुबह तक दम घुटने से केवल 23 व्यक्ति जीवित बचे थे, उनमें से वह भी एक था। इस घटना को कोई महत्व नहीं दिया गया तथा समकालीन इतिहासकार गुलाम हुसैन ने अपनी किताब- "सियार-उल-मुत्खैरीन" में इसका कोई उल्लेख नहीं किया है। परन्तु अंग्रेजी कम्पनी ने इस घटना को नवाबों के विरुद्ध लगभग 7 वर्षों तक चले युद्धों के लिए प्रचार का कारण बनाये रखा तथा अंग्रेजी जनता का समर्थन प्राप्त कर लिया। यह घटना, इसके पश्चात् होने वाले प्रतिकार के लिए विशेष महत्व रखती है।

अंग्रेज फुल्टा द्वीप पर मद्रास से सहायता का इंतजार करने लगे। इसके साथ ही नवाब के दरबार के प्रमुख लोगों के साथ मिलकर साजिश और गद्दी के लिए गद्दारी का ताना बाना बुनते रहे। इस षड्यंत्र में - मीर जाफर, जो मीर बख्शी था; मानिकचन्द, कलकत्ता का अधिकारी, जगत सेठ बंगाल का सबसे बड़ा बैंकर, अमीरचन्द, एक धनी व्यापारी तथा खादिम खान, जिसकी कमान में नवाब की सेना का बड़ा भाग था, प्रमुख थे। मद्रास से एडमिरल वाटसन तथा कर्नल क्लाइव की कमान में एक बड़ी नौ-सैनिक एवं थल सेना आ गयी।

14 दिसम्बर, 1756 ई० में मद्रास से वह सैनिक सहायता बंगाल पहुँची। नवाब के प्रभारी अधिकारी मानिकचन्द ने घूस लेकर कलकत्ता अंग्रेज को सौंप दिया। फरवरी 1757 ई० में अंग्रेजों ने होगारा कलकत्ता जीता तथा नवाब को अलीनगर की सन्धि (अलीनगर नाम नवाब द्वारा दिया गया था) के लिए बाध्य किया। इस संधि के माध्यम से अंग्रेजों को व्यापार के पुराने अधिकार तथा फोर्ट विलियम की किलेबन्दी करने की भी अनुमति मिल गयी।

दूसरी तरफ अंग्रेजों ने षड्यंत्र के माध्यम से मीर जाफर को नवाब बनाने का निश्चिय किया। उसने भी कंपनी को कृतार्थ करने तथा युद्ध में हानि की क्षतिपूर्ति करने का वादा किया। मार्च 1757 ई० में अंग्रेजों ने फ्रांसीसी कम्पनी बस्ती चन्द्रनगर को जीत लिया।